

यह डॉल्ड फ्रांस के संबंध पर प्रकाश डालें।

उत्तर प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी को पराजित करने के बाद मित्र-राष्ट्रों को एक ~~संघ~~ ^{संघ} बनाने की अग्रगण्य संलि करने के लिए उसे विविविध कर दिए गए। अतः मित्र-राष्ट्रों को मथ था कि जर्मनी में जर्मनी शक्तिशाली बनाकर अपने आपमान का बढावा देने का प्रयास करेगा। सबसे अधिक मथ फ्रांस को था क्योंकि उसकी सीमा जर्मनी से मिली हुई थी, इसी कारण उसने डॉल्ड तथा अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने मार्च 1919 ई में उसे यह गारंटी प्रदान की थी, कि कुछ कुछ समय बाद अमेरिका ने अपने द्वारा दी गई गारंटी का वापस ले लिया। डॉल्ड फ्रांस को अकेले गारंटी देने को तैयार नहीं था अतः उसने भी अपनी गारंटी वापस ले ली परमाणु स्वतंत्र फ्रांस डॉल्ड के संबंधों में कटुता आने लगी। लॉगड गार्ग ने जर्मनी के आक्रमण के विरुद्ध इन परिस्थितियों में भी दिसम्बर 1921 ई में फ्रांस को सहायता देने का प्रस्ताव रखा परन्तु फ्रांस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। अतः शर्तों के स्वरूप पर। जिसमें वह अपने मित्र डॉल्ड की सहायता करवाना भी चाहता था। इसके आतिरिक्त बसाय की संधि की किली भी था। को लोडग आक्रमण कार्यवाही समझी गयी और दोनों देशों के नेतृत्वक कल हेतु एक समझौता करे। इस प्रकार की शर्तों को स्वीकार करने के लिए लॉगड गार्ग लंगर नहीं हुआ। अतः द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने तक कोई समझौता न हो सका। 1923 ई में लॉली कर्नल वेल्डि द्वारा नेतृत्व किया गया द्वापट द्वितीय ऑफ मुचुल असेम्बली का गैरवासीयों के द्वारा दोनों देशों में समझौता समान किया गए। किन्तु ये समझौता अमानिप्त नहीं सका। 1928 ई में किली गार्गिअर समझौते को अनेक शर्तों को डॉल्ड द्वारा स्वीकार किए जाने से इसका अवसर प्राप्त होता है, कि डॉल्ड फ्रांस ने अपने संबंध-मधुरता स्वरूप चाहता था पर स्वयं को किली प्रकाश की गारंटी के कारण जर्मनी में किली प्रकाश के प्रदर्श में उलझने के पक्ष में नहीं था।

(निष्कर्ष)